

असाधाररा EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-section (i) प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 653]

नई विल्ली, शुक्रवार, विसम्बर 29, 1989/पौष 8, 1911

No. 653]

NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 29, 1989/PAUSA 8, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है किससे कि यह अलग संकलन के इत्य में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्थ विभाग)

प्रधिसूचनःए

नई दिल्ली, 29 विसम्बर, 1999

स. 197/89-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा.का नि. 1073(ग्र) -कन्दीय संग्कार, केन्द्रीय उत्पाद-गृहक भीर नमक श्रीधनियम, 1944 (1944) का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदम्म गक्तिया का प्रयोग वस्ते हुए, ध्रपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहिन में ऐसा करना श्रावश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, (राजस्व विभाग) की मधिमूचना मं. 299/88-केन्द्रीय अत्पाद-गुल्क, तारीख 30 विसम्बर, 1988 का निम्नलिखित संगोधन करती है, अर्थात् :

ज्यन अधिसूचना के पैरा 2 में, 'तथा 31 शिगम्बर, 1980 तक जिसमें यह तारी**ख भी** सम्मिलित हैं, प्रयुत्त रहेगी" शब्दों और अंको का लाग किया जाता हैं।

[फ़ा. स. 354/36/86-दी. मार. यू. (पार्ट)]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 29th December, 1989

NO. 197|89-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 1073 (E) .- In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excise and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 299[88-Central Excises, dated the 30th December, 1988, namely:—

In paragraph 2 of the said notification,-

The words and figures, "and shall remain in force up to and inclusive of the 31st day of December, 1989" shall be deleted.

[F. No. 354|36|86-TRU (Pi)]

स. 198/89-केर्न्द्राय उत्पाद-शुल्क

मा.का.नि. 1071(प्र.) --केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शृहक ग्रीर नमक प्रक्षितियम, 1944 (1914का 1) की बारा 5क की उपधारा (1) द्वारा प्रदन शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ग्रपना मह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा फरना आवण्यक है शारत सरकार के वित्त मंत्रालय, (राजस्य विभाग) की ग्रिधिमूचना मं. 300/88-केन्द्रीय उत्पाद-शृहक, तारीख 30 दिसम्बर, 1988 का निम्नलिखित संशोधन करती है, प्रथित :

चयन भिधिसूचना के पैरा 2 में, "तथा 31 विध्यमगर, 1989 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, प्रकृत रहेगी" मर्ब्दों और भ्रातों का लोग किया जाता हूं।

> [फा. मं 453/36/86-दी.भाग. यू (पार्ट)] प्रार. के. महाजन, धनर सचिव

NO. 198[89-CENTRAL EXCISES

G S.R. 1071 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excise and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 300[88-Central Excises, dated the 30th December, 1988, namely :—

In paragraph 2 of the said notification,-

The words and figures, "and shall remain in force upto and inclusive of the 31st day of December, 1989" shall be deleted.

[F. No. 354|36|86-TRU (Pt)] R. K. MAHAJAN, Under Secy.